17-2-67 ओम शान्ती रात्री क्लास

(पहले यह रात्री क्लास पढ़कर फिर 18-2-67 का प्रातःक्लास पढ़ना जी)

अनुभव तो सब बताते हैं अज्ञान काल और ज्ञान काल की चलन में फर्क होता है। कोई की तकदीर ऐसी होती है जो दैवी गुण धारन नही कर सक्ते।वातावरणऐसे है जैसे ऐडल्ट्री। दैवी गुण धारन करने में बड़ी मेहनत लगती है।मूल बात है यह।ज्ञान सुनाने वाले तो बहुत है। परन्तु उनमें दैवी गुण हो तो किसीको तर भी लगे। अपने में वो योग की ताकत नां होने कारण तीर नही लगा सक्ते है। देवताओं की गुणों की महिमा तो गाते है। परन्तु यह नही जानते गुण धारन कौन करावेंगे। बाप बैठ बच्चों को समझाते है सतयुग में कर्म अकर्म होता है। क्यों कि रावण राज्य है नही। यहां कर्म विकर्म होता है क्यों कि रावण राज्य है। गीता में अक्षर बिलकुल ठीक है। सिर्फ कल्प लम्बी कर दी है। और योनियां भी 84लाख कर दी है। पहले-2 बाप की महिमा सुनानी चाहिये। फादर को कब सर्वव्यापी नही कहा जाता है। भारतवासी जानते है बाप आते है जयन्ती मनाते है। परन्तु शिव क्या आकर करते है यह किसीको पता नही है। वो निराकार है उनको साकार तन जरूर चाहिये। तो किस में आते है और कब आते है यह नही जानते। बाप तो है ही पतित पावन। उनको बाप रचता कहा जाता है। वो नई दुनियां की स्थापना करते है। एक धर्म की स्थापन कर और का विनाश कराते है। तो आते ही तब है जब बहुत धर्म है। बाप से वर्सा जरूर चाहिये। भारतवासियों को था। इस चक्र पर समझाना बहुत सहज होता है। बोलना चाहिये ख्याल करो सतयुग में कितने होंगे। स्थापना होती है फिर विनाश होता है। शिव बाबा, शिव बाबा करते रहना चाहिये। बाबा अक्षर बहुत मीठा है। बाप स्वर्ग की स्थापना करते है। बाबा को याद करेंगे तो तुम स्वर्ग के मालिक बन जावेंगे। बाप की याद से ही विकर्म विनाश होंगे। भारत सतोप्रधान था। अभी तमोप्रधान है। अभी बाप स्थापन कर रहे है। बेहद का वर्सा दे रहे है। बाबा कहते है मुझे याद करो। भगवान को सब याद जरूर करते है। लौकिक बाप कभी नही कहेंगे मुझे याद करो। बच्चे पहचान ही लेते है। मां बाप के सिवाय और किसीकी गोद में जावेंगे नही। अब वो भी बाप है। शिव बाबा कहते है मुझे याद करो। मै पतित पावन हूं। ऊंच ते ऊंच रैंक है। यह चित्र भी रूहानी बाप ने दिव्य दृष्टी से बनवाया है। उनके ही डायरैक्शन से यह बन रहे है। वो करनकरावन हार है नां। कर्म करते है और फिर तुम बच्चों से कराते है। जैसा कर्म मै करूंगा मुझे देख तुम करेंगे। तो तुम बच्चों को भी फिर औरों को सिखलाना पड़े। कोटों में कोई जो कहा जाता है सो राजाई पद पाने मै मेहनत लगती है। कोई बात में मूंझ पड़ो तो कह सक्ते हो शिव बाबा ज्ञान सागर ने समझाया नही है। हम पूछ कर बता सक्ते है। पढ़ तो रहे है नां। ऐसे तो कोई मूंझने की पुआइन्ट है नही। सीढ़ी तो बहुत अच्छी है। कैसे 84जन्म लेते हो फिर जन्म मरते हो। यह सब नई-2 बाते निकलती रहती है। कौरव यादव कौरव पान्डव तो गीता में भी क्लीयर है नां। तुम बच्चे अभी संगम युग पर हो। दुनियां तो घोर अन्धेरे मे है। समझते है संगम में बहुत समय पड़ा है। शिव बाबा अभी तो यहां है। परन्तु यहां इसमें आने आगे शिव बाबा ने इस दुनियां को देखा होगा? भारत विलायत लड़ाईयां आद जो कुछ हुई है वो शिव बाबा ने पहले देखी होगी? शिव बाबा ने मद्रास इन्डैड. ~~बम्बई~~= देखा होगा। यह बाबा तो जवाहरी था। इसने सब कुछ देखा है। शिव बाबा ने देखा होगा? समझो मद्रास है वां बहुत शहर है यह सब शिव बाबा ने देखे है वां जब ब्रहमा तन में आते है तब देखते है? इस रथ में आने के पहले शिव बाबा ने यह दुनियां देखी होगी? शिव बाबा तो निराकार है नां। कैसे देखा होगा? शिव बाबा ने आबू देखा था इसमें आने से पहले। विचार करनाओम

देहली विनय नगर मे लक्ष्मी बहन वाला सेन्टर बदली हुआ है जिसकी ऐड्रेस भेज रहे है:-

BRAHMA KUMARI LAKSHMI
BLOCK NO. Y-218,
VINAY NAGAR MAIN
(SAROJINI NAGAR), NEW DELHI-3